इकाई - III

9. कब आऊँ

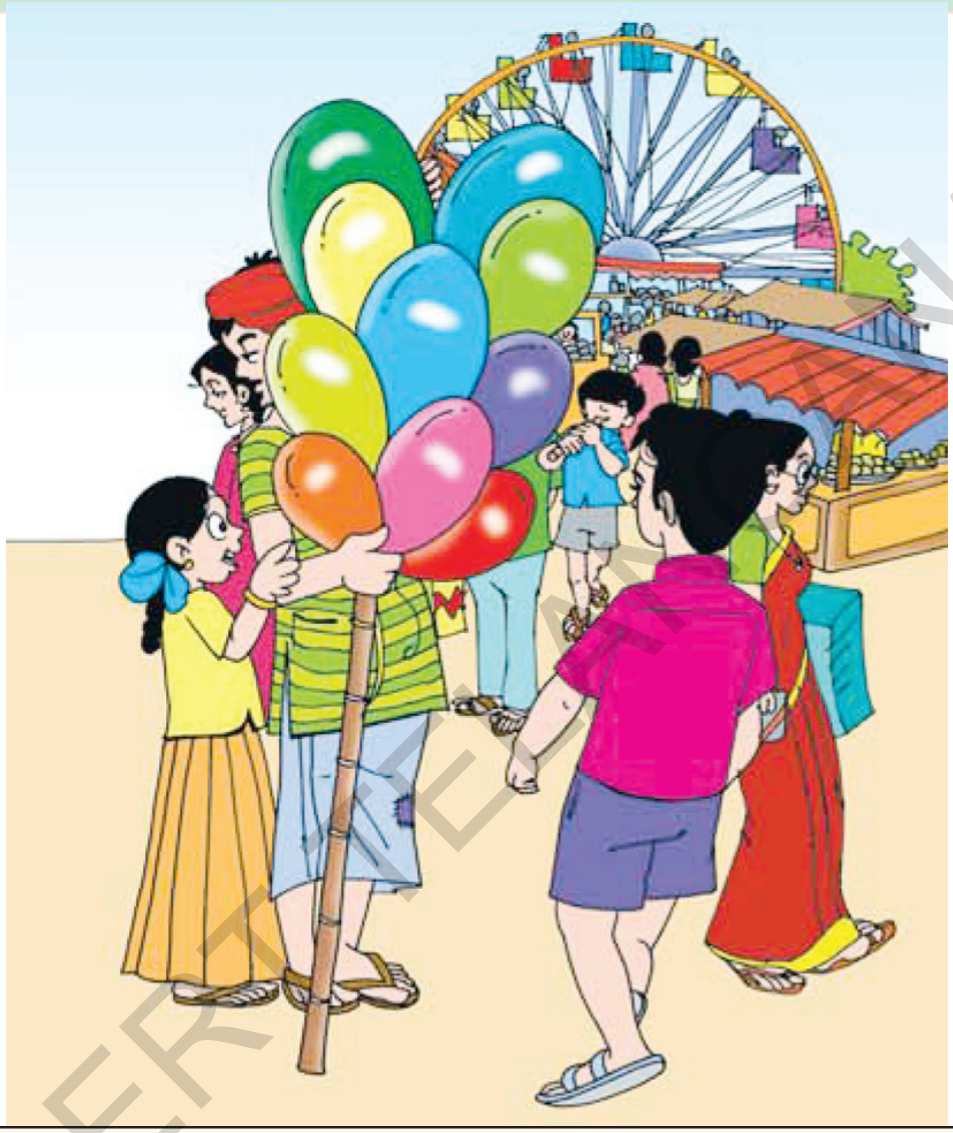

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. आप बाज़ार किस दिन जाते हैं और क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

अवंती ने एक छोटी-सी रंगाई की दुकान खोली और गाँववासियों के लिए कपड़ा रंगना शुरू कर दिया। सब लोग उसकी रंगाई की प्रशंसा करने लगे। धीरे-धीरे उसकी दुकान चल निकली। अवंती की प्रशंसा सुनकर एक सेठ को बहुत ईर्ष्या महसूस होने लगी। अवंती

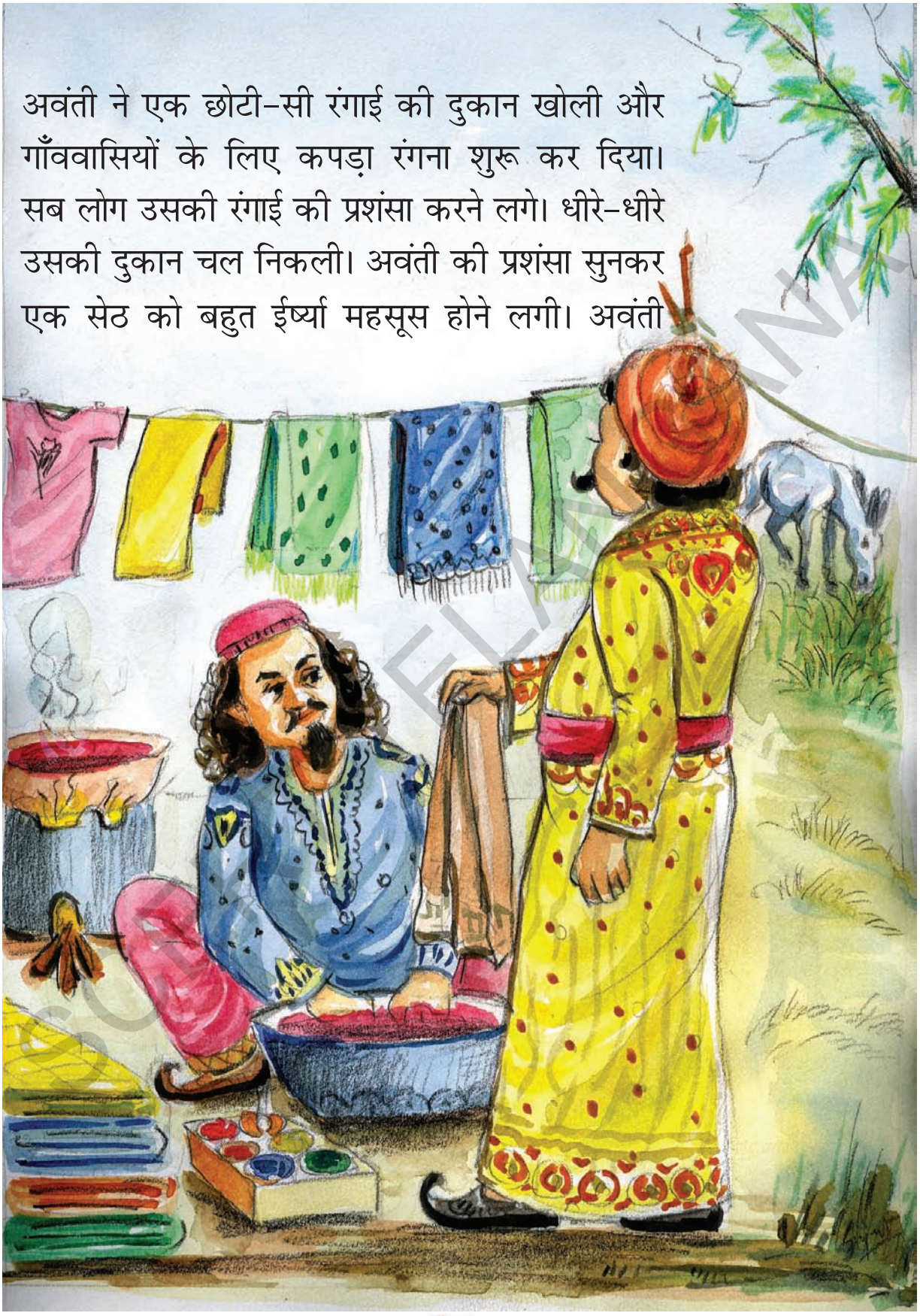

को परेशान करने के लिए वह सेठ कपड़े का एक टुकड़ा लेकर अवंती की दुकान में जा पहुँचा। दरवाज़े के अंदर घुसते ही सेठ बुलंद आवाज़ में बोला – अवंती, ज़रा यह कपड़ा तो अच्छी तरह से रंग दो। मैं देखना चाहता हूँ तुम्हारा हुनर कैसा है। तुम्हारी काफ़ी तारीफ़ सुनी थी, इसीलिए आया हूँ।

अवंती ने सेठजी से पूछा – सेठजी इस कपड़े को आप किस रंग में रंगवाना चाहते हैं?

सेठ ने कहा – रंग? रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं, पर मुझे हरा, पीला, सफ़ेद, लाल, नारंगी, नीला, आसमानी, काला और बैंगनी रंग कतई अच्छे नहीं लगते। समझे कि नहीं?

अवंती ने जवाब दिया – समझ गया हूँ, अच्छी तरह समझ गया हूँ। मैं ज़रूर आपकी पसंद की रंगाई कर दूँगा!

अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँपते हुए उसके हाथ से कपड़े का टुकड़ा ले लिया।

सेठ ने खुश होकर कहा – अच्छा, तो इसे लेने मैं किस दिन आऊँ?

अवंती ने कपड़े को अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा दिया और सेठ से बोला – आप इसे लेने सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आ सकते हैं।

सेठ समझ गया कि उसकी चाल उल्टी पड़ चुकी है अत: भलाई धीरे से खिसक लेने में ही है। फिर उस सेठ ने दोबारा अवंती की दुकान में घुसने की हिम्मत नहीं की।

आर.एस. त्रिपाठी

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपको कौनसा रंग पसंद है और क्यों?
2. आप रविवार के दिन क्या करते हैं?

पढ़िए

1. सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?
2. अवंती ने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया। क्यों?
3. सेठ कपड़ा लेने किस दिन आया होगा?
4. नीचे के वाक्यों में कुछ हरी–भरी सब्ज़ियों के नाम छुपे हैं। ढूँढ़िए तो ज़रा–
   - अब भागो भी, बारिश होने लगी है।
   - मामू लीला मौसी कहाँ है?
   - शीला के पास बैग नहीं है।
   - रानी बोली – हमसे मत बोलो।
   - गोपाल कबूतर उड़ा दो।

लिखिए

1. सेठ चालाक था या अवंती? अपने विचार लिखिए।
2. आप अवंती की जगह होते तो क्या करते?

शब्द भंडार

दिन – दीन *मेला – मैला*

ऊपर दिए गए शब्दों के जोड़ों में केवल एक मात्रा बदली गई है। किसी भी

SCERT TELANGANA

मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे और जोड़े बनाइए। देखें, कौन सबसे ज़्यादा जोड़े ढूँढ़ पाता है।

....

....

- कभी-कभी हम अपनी बात करते हुए ऐसे शब्द भी बोल देते हैं, जिनकी कोई ज़रूरत नहीं होती। इसी तरह इन वाक्यों में कुछ शब्द फ़ालतू हैं। उन्हें ढूँढ़कर अलग कीजिए-
    - बाज़ार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना।
    - एक पीला पका पपीता काट लो।
    - अरे! रस में इतनी सारी ठंडी बर्फ़ क्यों डाल दी?
    - ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो।
    - बेकार की फ़ालतू बात मत करो।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- विद्यालय, गुरुजी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख। इन शब्दों को पढ़कर आपके मन में कुछ बातें आई होंगी। इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाइए और अपने साथियों को सुनाइए।

प्रशंसा

- अवंती के बारे में कुछ वाक्य लिखिए। आप उसके कपड़ों, शक्ल-सूरत, पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकते है।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

मुहावरे

चित्रों को देखिए। क्या इन्हें देखकर आपको कुछ मुहावरे या कहावतें याद आती हैं? उन्हें लिखिए।

अँधेरा

.....

...

आरसी

.....

...

आस्तीन

.....

...

ग्यारह

.....

...

समझ-समझदारी

रंगाई शब्द रंग से बना है। इसी तरह और शब्द बनाइए –

रंग	रंगाई
साफ़	.....
चढ़	.....
बुन	.....

SCERT TELANGANA

■ जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताइए –

- मुझे बैंगनी रंग <u>कतई</u> अच्छा नहीं लगता। .....
- अवंती ने सेठ का <u>मंसूबा</u> भाँप लिया। .....
- मैं तुम्हारा <u>हुनर</u> देखना चाहता हूँ। .....
- सेठ बुलंद <u>आवाज़</u> में बोला। .....
- सेठ को <u>ईर्ष्या</u> होने लगी। .....
- रंग के बारे में मेरी कोई <u>खास</u> पसंद तो है नहीं। .....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर कब आऊँ कहानी का अभिनय कर सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA